

**श्र**क्षे जारण

## EXTRAORDINAR

भाग मि—लक्ष 3—उपलब्ध

PART II—Section 3—Sub-section (if)

प्राधिकार से प्रकाशित

## PUBLISHED BY AUTHORITY

**सं**० 393]

नई विल्ली, शक्रवार, सितम्बर 13, 1974/भाष्ट्र 22, 1896

No. 393)

NEW DELHI, FRIDAY, SEPTEMBER 13, 1974/BHADRA 22, 1896

इस भाग में भिन्न पूष्ट संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप मे रखा जा सके। Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

#### MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

(Office of the Controller of Capital issues)

#### NOTIFICATION

New Delhi, the 13th September, 1974

- S.O. 541(E).—In exercise of the powers conferred by section 12 of the Capital Issues (Control) Act, 1947 (29 of 1947), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Capital Issues (Applications for Consent) Rules, 1966, namely:—
- 1. (i) These rules may be called the Capital Issues (Applications for Consent) (Amendment) Rules, 1974.
  - (ji) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
  - 2. In the Capital Issues (Applications for Consent) Rules, 1966, in rule 4-
    - (a) in the Table below sub-rule (1), in column (2),-
      - (i) for the entry against item (a) in column (1), the entry "Hundred rupees" shall be substituted;

- (ii) in the entry against item (b) in column (1)-
  - (A) for the words "Fifty rupees", the words "Hundred rupees" shall be substituted;
- (B) for the words "fifty rupces", the words "hundred rupces" shall be substituted;
  - (C) for the words "one thousand rupees", the words "three thousand five hundred rupees" shall be substituted;
- (b) in sub-rule (2), for the words "in receipt of", the words "in respect of" shall be substituted;
- (c) in sub-rule (3), for the figures and words "LII—Miscellaneous—Miscellaneous", the figures and words "104--Other General Economic Services—Other Receipts" shall be substituted.

[No. F.2(8)-CCI/74]

R. M. BHANDARI,

Controller of Capital Issues.

## वित्त मंत्रालय

(म्राधिक कर्य भाग)

# (पूजी निर्मम नियाक कायलिय)

## प्रधि गुजना

नई रिव्ली, 13 मिनम्बर 1974

का० द्वा० 541 (भ्र) .—-पूंजी निर्मेस (निर्मयक) श्रश्चित्तियस, 1947 (1947 का 2ज) की धारा 12 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रोग सरकार एनद्वरारा केपिटल इष्प्रज्ञ (एस्त्रीकेशन्स कार कर्नोट) रूक्त, 1966 यूजी निर्मेष (स्वोकृति के लिए श्रावेदन-पत्र) नियमावली में निस्तलिखित श्रीर संशोधन करती है, श्रश्ची :—-

- 1. (i) इन नियमों को पूंजी निर्गम (स्थो ग्रन्ति के लिए प्रावेदन-पत्र) (संगोधन) नियमावली, 1974 कहा जायगा ।
- (ii) ये नियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की नारीख़ से लागू होंगे।
  - 2. पूंजी निर्गम (स्वीकृति के लिए झाबेदन-पत्र) नियमावली, 1966 के नियम बे में---
    - (क) कालम (2) में उप-नियम (1) के नीचे दी गई सारणी में ---
      - (i) कालम (1) में मद (क) के सामने दिये गये शब्दों के स्थान पर "सौ ६१वये" रखा जाय :
      - (ii) कालम (١) में मद (ख) के सामने
        - (क) "पचास रुपये" शब्दों के स्थान पर "सौ रुपये" शब्द रखे जायं ;
        - (ख) "पचास रुपये" शब्दों के स्थान पर "सौ रुपये" शब्द पढ़े जायं ;

- (ग) "एक हजार रुपते" णब्दों के स्थान पर "तीन हजार पांच सौ रुपये" णब्द रुखे जार्य;
- (ख) उप-नियम 2 में "की प्राप्ति में" शब्दों के स्थान प्रर "सम्बन्ध में" शब्द रखे जाय:
- (ग) उप-नियम (3) में "एल-II--विविध-विविध-विविध" श्रंकों श्रीर शब्दों के स्थान पर "104--श्रन्य सामान्य श्राधिक सेवाएं--श्रन्य प्राप्तियां" श्रंक श्रीर शब्द रखें जार्य।

[संय्र एफ० 2(४)—सी० सी० श्राई०/74] श्रार० एम० भण्डारी, नियंबक, प्जी निर्गम ।